

— घ्रा *ausreissen; losreissen, wegzerren*: यत्समूलमावर्क्युर्वत्तं (उद्ध-
क्युः CAT. Br.) न पुनराभवेत् BRH. Ār. Up. 3, 9, 28. RV. 10, 61, 5. स इन्द्र
इष्टकामावर्क्युः TBr. 1, 1, 2, 5. CAT. Br. 2, 1, 2, 16. अथस्य सक्थि TS. 5, 3,
12, 2. PANKAV. Br. 24, 4, 4. CAT. Br. 13, 3, 4, 4. आवर्क्युः absolut. KATH. 28,
6. Vgl. आवर्क्युः figg. — caus. part. आवर्कित *ausgerissen, entwurzelt* H.
1480. HAL. 4, 27.

— उद् *ausreissen, ausziehen, herausziehen*: यत्समूलमुद्धक्युर्वत्तम् CAT.
Br. 14, 6, 34. उद्धक्युः रतः सकर्मलम् RV. 3, 30, 17. 6, 48, 17. पुञ्जलम् TS.
6, 2, 4, 3. नीविम् CAT. Br. 2, 4, 2, 24. 6, 4, 42. शम्पे 3, 3, 4, 25. KATH. Cr. 7,
9, 26. उद्धः प्रस्तरः 22, 10, 24. स चापि केशो हरिहृदवर्क्युः शुक्लमेकमपरं
चापि कृत्तम् MBH. 1, 7807. उद्धवर्क्युः रथाश्चापि पन्नगं गरुडो यथा 7, 4124.
निस्त्रिंशम् *aus der Scheide ziehen* 6, 2261. 7, 530. BHATT. 14, 8. शक्तिम्
17, 90. उद्धवर्क्युः तमनश्चैव मनः सदसदात्मकम् M. 1, 14.

— समुद् *herausziehen*: शरान्दशष्टिा च समुद्धवर्क्युः MBH. 8, 4586. (खड्गम्)
कोशात्समुद्धवर्क्युः विलादीतिमिवोत्तरम् 10, 230.

— नि *niederschleudern, hinstürzen* (trans.). zu Boden schmettern
NAIGH. 2, 19. दस्युन्पथिव्यां शर्वा नि बर्हति RV. 1, 100, 18. 4, 16, 12. 28, 3.

— caus. dass.: बर्ह्यन्ति नि सकृन्नाणि बर्ह्यः RV. 1, 53, 6. 7. 133, 5. 2,
23, 8. 6, 61, 3. MBH. 6, 3516. 7, 8036. HARIV. 8298. 8628. 8911. vernichten:
विलोकनेनैव तवामुना — निवर्कितं कृत्वा CAT. 1, 29. Vgl. निवर्क्युः.

— विनि dass.; vgl. विनिवर्क्युः, विनिवर्क्युः.

— संनि dass.; vgl. संनिवर्क्युः.

— निम्, s. निवर्क्युः.

— प्र *weg-, ab-, ausreissen; ausziehen; entreissen; zerreissen, zerstören*: सूर्यश्च प्र वृत्तुः RV. 1, 130, 9. 174, 5. 4, 16, 12. 5, 29, 10. स्वर्गस्य
चक्रं प्रवृत्तं नाडीमभिर्बुद्ध्यात् TS. 3, 4, 3. 3. सकृन्मुञ्चन् प्रवृत्तः RV.
6, 44, 11. प्र किं कर्तुं वृत्तये यं वनुषो रथस्य स्था यज्ञमानस्य चोदो 2, 30,
6. वसवस्त्वा (सोम) प्रवृत्तुः TS. 3, 3, 2, 1. CAT. Br. 14, 3, 9, 7. प्रवर्क्युः स्तु-
णोयात् *abrupfend* 1, 3, 3, 10. KATH. Cr. 2, 7, 27. पशोर्हृदयम् CAT. Br. 3, 8,
5, 8. KATH. Cr. 6, 8, 2. तं (पुरुषं) स्वाच्छरीरात्प्रवृत्तमुज्जादिवेषीकां धैर्येण
KATHOP. 6, 17, 2, 13. तेषां (लोकाणां) तप्यमानानां रसान्प्रावृत्तमि पृथिव्या
वायुमत्तरीनादादित्यं दिवः KHAND. Up. 4, 17, 1. figg. med. *an sich ziehen*:
ते सवनानि प्रावृत्तं CAT. Br. 14, 3, 9, 4. PANKAV. Br. 7, 3, 7. figg. pass.: त-
स्य पादमगृह्णात्स प्रावृत्त *der Fuss riss ab* KATH. 13, 2. यो घ्रीवाभ्यः
प्रवृत्तभ्यो रसः समस्रवत् 34, 3. — Vgl. प्रवर्क्युः.

— उपप्र med. *an sich ziehen* CAT. Br. 3, 9, 4, 22.

— वि *zerreissen, zerzausen, zerbrechen; wegzeissen, abtrennen*: मृधो
बृहस्पतिर्वि ववर्क्युः रथो इव RV. 2, 23, 13. मेघा वि ववर्क्युः मा युगं वि शो-
रि 3, 33, 17. दृच्छानि 6, 43, 9. 8, 43, 8. विष्वग्वि ववर्क्युः रपः 36, 21. 10,
163, 1. विष्वग्मेवास्मात्पाप्मानं निवृत्तः TBr. 3, 8, 4, 1. यद्विबृत्तं तत्सद-
धाति CAT. Br. 1, 7, 4, 22. 9, 2, 6. 14, 3, 2. यथेषीकां मुञ्जादिवृत्तेर्देवं सर्व-
स्वात्पाप्मानो व्यवृत्त 4, 3, 2, 16. 3, 8, 12. KAUC. 27. 35. PĀR. GRH. 3, 6.
— Vgl. विवर्क्युः.

— सम *zusammen reissen, zusammen ausziehen*: यथा मकामुक्युः सै-
न्धवः पृष्ठोऽशङ्कुः संवृत्तेर्देवं देवान्प्राणान्संववर्क्युः CAT. Br. 14, 9, 3, 13.

2. बर्क् (बर्क्), बर्कति und बर्कति (बर्क्) DHĀTUP. 17, 85; auch बर्कति
nach DHĀTUP.). Vgl. बर्क्, ΦΠΑΓ, *farcio* (viell. auch *faleio*) CURTIUS, Gr.
d. gr. Etym. I, 267. Vom einfachen Verbum (बर्कत् s. bes.) nur das
V. Theil.

caus. बर्क्यति, ऽते (बर्क्); *Jmd feist machen; kräftigen, stärken*: कृशो
वर्क्यति स्थूलं कर्षयति SUCH. 2, 196, 6. 1, 129, 17. 239, 7. 2, 149, 4.
448, 7. आशीर्भिर्वर्कितानस्मान् MBH. 1, 5711. अरिष्टं ब्रज पन्थानं म-
दनुद्यानवर्कितं 2, 2589. 12, 1947. अकृमेतान्कृन्प्यामि युष्मत्तेजोऽर्धवृ-
कितः 8, 1464. धर्ममिच्छन्नरपतिः सर्वान्दराननुक्रमात् । गच्छेदनुनिषो-
नित्यं वासीकरणावर्कितः ॥ KĀM. NĪTIS. 7, 56. सुवर्कितं (so ist zu le-
sen) KATHAS. 29, 99. *Etwas verstärken, vermehren, fördern*: सर्गमेतं
प्रभविः स्वेवर्क्यप्युत्पद्यनेकधा (बर्क् ed. Bomb.) BHIG. P. 3, 24, 14. तमव-
र्कितमालोक्य (अबर्क् v. l.) प्रजासर्गम् 6, 4, 20. वेनतेयस्य (बर्क्) वर्कितं हरि-
तेजसा HARIV. 10437. वाक्यार्णवं मरुगाधं नीतिशास्त्रार्थवर्कितम् 5903.
तदाह वर्क्यप्यामि स्वरवेण रवं तव MBH. 3, 11334. भजते सत्पमेवेह वृ-
क्यते च 12, 5998. वर्कितमन्युवेग BHATT. 3, 49. गुणवृत्तवर्कितं (बर्कित =
वर्धित Schol.) so v. a. *vermehrt durch d. i. versehen mit* BHIG. P. 6,
4, 29. st. अव्यूढगुणवर्कितं 1, 3, 32 hat die Bomb. Ausg. °गुणव्यवृत्त.

— अति caus. *verstärken, kräftiger machen*: अयो फेनम् — विष्णुतेजो-
ऽतिवर्कितम् (°ऽतिवर्कितम्?) MBH. 3, 499.

— अमि caus. *kräftigen, stärken*: भूप एव तु मां तथैव चोभिर्भिवर्क्य
MBH. 7, 2136.

— उप caus. *kräftigen, stärken, erheben*: तदुपैरुपवर्कितं BRAH-
MAN. 2, 17. विनयोपवर्कितं KĀM. NĪTIS. 1, 67. BHIG. P. 6, 4, 49. 3, 1, 9, 53.
7, 10, 52. MĀRK. P. 37, 64. *verstärken*: घण्टास्वनेन तान्नादानम्बिका चो-
पवर्क्यत् 88, 8. शश्वदुपवर्कितबोध BHIG. P. 8, 17, 9. मन्युरहमानोपवर्कितः
19, 13. उपवर्कित *mit vorangeh. instr. oder am Ende eines comp. ver-
stärkt durch* so v. a. *begleitet von, verbunden mit* KATHAS. 26, 60. MBH.
1, 19. 3, 3875. 12, 1354. R. 2, 30, 31. R. GORR. 1, 5, Einl. 4. ÇĀṬK. in WIND.
SANGARA 112. BHIG. P. 2, 3, 23. 9, 26. 10, 5. 3, 1, 4. 3, 22. 6, 6. 12, 48. 5, 4.
11. 7, 10, 45. 8, 24, 34. MĀRK. P. 82, 53. DAÇAK. in BENF. Chr. 182, 6. GAU-
DAP. zu SĀṆKHYAK. 17. KULL. zu M. 12, 109. चक्रे स सलिलं धातुज्ञातीनां
चानुपूर्वशः । रामवाक्येन विधिवत्सर्वशान्नोपवर्कितम् ॥ so v. a. *in Ueber-
einstimmung mit* R. 6, 93, 61. fig. — intens. *heftig oder wiederholt an-
drücken*: उप बर्क्यि वृषभाय बाहुम् RV. 10, 10, 10. NIR. 4, 20. पा दो-
र्वीर्योपबर्क्यत् *die den Mann in die Arme drückt* RV. 5, 61, 5. — Vgl.
उपबर्क्य, उपबर्क्य (auch TBr. 1, 1, 6, 10. 6, 8, 9. BHIG. P. 2, 2, 4) Kopf-
oder Rückenpolster (*was untergeschoben wird, zur Stütze dient*), उप-
बर्क्यन्.

— समुप caus. *verstärken, vermehren, ergänzen*: इतिहासपुराणाभ्यो
वेदे समुपवर्क्येत् MBH. 1, 260 = VĀJU-P. in Verz. d. Oxf. H. 50, a, 16.

— नि, निवर्कितं, निवर्क्यते, निवर्क्यति P. 6, 4, 24, VArtt. 2, Sch.

— परि act. med. *umfungen, umschliessen* (und dadurch stützen), be-
festigen, dichtmachen, munire: आत्मानं प्राणैः परिवर्क्यते (= परितो
वर्धयन् SĀJ.) ATT. Br. 6, 28. CAT. Br. 2, 1, 1, 10. शर्करामिः 11. 5, 3, 5, 7. 4.
4, 14. विशा तत्रं परिवर्क्यते तदिदं तत्रमुभयतो विशा परिवर्क्यत् 3, 6, 4, 24.
9, 4, 18. 13, 6, 4, 9. ÇĀṬK. Br. 11, 8. परि सुचौ बर्क्यणाभ्यां (= वर्धमा-
नस्य SĀJ.) RV. 5, 41, 12. partic. परिवर्क्य *feststehend, dicht, solid, umfang-
lich*: (बर्क्यत्) परिवर्क्य भवति NIR. 1, 7. ब्रह्मा परिवर्क्यः श्रुततः 8. हयोः स्था-
नयोः ०८. 6, 17. Vgl. परिवर्क्य, परिवर्क्यण, परिवर्क्यण, परिवर्क्य Herr (auch
BHIG. P. 5, 1, 8. 16, 16. 6, 16, 25. Verz. d. Oxf. H. 117, b, 5). — caus. *kräf-
tigen, stärken*: तं शक्त्या वर्धमानश्च सर्वतः परिवर्क्येत् MBH. 12, 3000.